सांध्य दैनिक 4PM

हर मित्रता के पीछे कोई न कोई स्वार्थ होता है। ऐसी कोई मित्रता नहीं, जिसमें स्वार्थ न हो। यह कड़वा सच है।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 97 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 13 मई, 2026

जीटी का प्लेऑफ में पहुंचना लगभग... 7 | अपनी ही गल्तियों में फंसी... 3 | पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द... 2

दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद 4PM नेशनल न्यूज चैनल खुला

» संपादक संजय शर्मा ने बताया कितना खौफनाक रहा 60 दिनों के चैनल बंदी का सफर

» कोर्ट हैरान रह गया कि ऐसा कैसे हो सकता है

50 हजार वीडियो में सिर्फ 26 पर आपत्ति बता कर चल गया सरकारी हंटर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के बाद एक बार फिर **4PM** नेशनल चैनल फिर से बहाल हो चुका है। सरकार ने चैनल को एंटी नेशनल बताते हुए इस पर भारत में पाबंदी लगा थी। पाबंदी के बाद संपादक संजय शर्मा कोर्ट गये जहां से चैनल को राहत मिली। दिल्ली हाईकोर्ट में **4PM** चैनल की अपील को सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल, उनके बेटे अखिल सिब्बल और देश के जाने माने वकील एस एम हैदर रिजवी और तलहा अब्दुल रहमान ने रखा।

कोर्ट उस समय हैरान रह गया जब उसे यह पता चला कि चैनल के 5० हजार वीडियो में से सरकार को 26 वीडियो पर आपत्ति है और इन्हीं 26 वीडियो को अधार बना कर चैनल को बंद कर दिया गया है। संपादक संजय शर्मा का कहना है कि इस 6० दिन की बंदी ने सिर्फ चैनल नहीं तोड़ा बल्कि उससे जुड़े कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी संकट में डाल दिया। व्यूअरशिप गिरी, एल्गोरिद्म टूटे, आर्थिक नुकसान हुआ और चैनल की वर्षों की मेहनत पर गहरा असर पड़ा। उन्हें भरोसा है कि जल्द ही चैनल पुरानी लय को हासिल कर लेगा और फिर से नम्बर एक स्थान पर होगा। उन्होंने दर्शकों से अपील की है कि वह वीडियो को देखें और शेयर करें।

50 हजार वीडियो में सिर्फ 26 पर आपत्ति फिर पूरा चैनल क्यों बंद?

4PM के संपादक संजय शर्मा ने अपने वीडियो संदेश में सबसे बड़ा और सबसे गंभीर सवाल यही उठाया कि आखिर 50 हजार से ज्यादा वीडियो वाले एक पूरे डिजिटल प्लेटफॉर्म को सिर्फ 26 वीडियो के आधार पर कैसे बंद किया जा सकता है? संजय शर्मा के मुताबिक यही वह बिंदु था जिसने अदालत में भी पूरी बहस का रुख बदल दिया। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने जिन वीडियो को आधार बनाकर कार्रवाई की उनकी संख्या कुल कंटेंट के मुकाबले बेहद कम थी। लेकिन उन 26 वीडियो को आधार बनाकर पूरे चैनल को भारत में ब्लॉक कर दिया गया। संजय शर्मा के अनुसार अदालत ने भी सुनवाई के दौरान इस बात पर आश्चर्य जताया कि यदि कुछ वीडियो पर आपत्ति थी तो उन वीडियो पर अलग कार्रवाई क्यों नहीं की गई और पूरे चैनल को ही बंद करने की जरूरत क्यों पड़ी।

वही सवाल पूछे जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी पत्रकार और नागरिक को पूछने का अधिकार है : संजय शर्मा

संजय शर्मा ने बताया कि सरकार की मंशा चैनल को सदा के लिए बंद करने की थी शायद इसी लिए खुद अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने सरकार की कार्रवाई का बचाव किया और तर्क दिया कि चैनल पर अपलोड की गई सामग्री भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, संप्रभुता और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक थी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अदालत में दिये गये शपथ पत्र में कहा गया कि उनके वीडियो मणिपुर और कश्मीर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में माहौल खराब कर सकते हैं। इस पर उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ वही सवाल पूछे जो एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी पत्रकार और नागरिक को पूछने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को मणिपुर जाना चाहिए था यह पूछना गलत है? मणिपुर भारत का हिस्सा है। वहां महीनों तक हिंसा होती रही, लोग मारे जाते रहे, घर जलते रहे तो क्या मीडिया को इस पर सवाल नहीं पूछना चाहिए? अगर पत्रकार सरकार से जवाब मांगता है तो क्या उसे देशविरोधी मान लिया जाएगा? कश्मीर को लेकर भी संजय शर्मा ने कहा कि उन्होंने केवल सुरक्षा व्यवस्था और आतंकवाद से जुड़े सवाल उठाए थे। उनके मुताबिक उन्होंने सिर्फ इतना पूछा था कि आखिर आतंकवादी वहां तक कैसे पहुंचे और सुरक्षा में चूक कहां हुई। उन्होंने कहा कि अगर देश का नागरिक यह सवाल भी नहीं पूछ सकता कि आतंकवादी कैसे आए तो फिर लोकतंत्र का मतलब क्या रह जाएगा? सवाल पूछना अगर अपराध बना दिया जाएगा तो फिर मीडिया सिर्फ सरकारी सूचना बोर्ड बनकर रह जाएगी। संजय शर्मा ने यह भी कहा कि इस कार्रवाई ने सिर्फ चैनल को नहीं बल्कि उससे जुड़े पत्रकारों एडिटर्स, तकनीकी कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी गहरे संकट में डाल दिया। उनके अनुसार यह मामला अब सिर्फ एक चैनल का नहीं बल्कि डिजिटल मीडिया की स्वतंत्रता और आलोचनात्मक पत्रकारिता के भविष्य का सवाल बन चुका है।

अब कोर्ट से पूछेंगे आखिर उन 26 वीडियो में ऐसा क्या था?

चैनल के संपादक संजय शर्मा बताया कि सुनवाई के दौरान उनके वकीलों ने कई बार अदालत में यह सवाल उठाया कि सरकार स्पष्ट करे कि उन 26 वीडियो में आखिर दिक्कत क्या है। कौन सा कंटेंट गलत था? कौन सा बयान कानून के खिलाफ था? किस लाइन, किस तथ्य या किस टिप्पणी को आधार बनाकर पूरे चैनल को भारत में ब्लॉक किया गया? सरकार अदालत में इन सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे सकी। संजय शर्मा ने कहा है कि अब उनकी अगली कानूनी लड़ाई इसी मुद्दे पर होगी। उनका कहना है कि वह दोबारा अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे और सरकार से यह जवाब मांगेंगे कि आखिर उन 26 वीडियो में ऐसा क्या था जिसे राष्ट्रविरोधी या देश के खिलाफ माना गया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कोई वीडियो गलत था तो बताइए उसमें क्या गलत था। कौन सा तथ्य झूठा था? कौन सा सवाल कानून के खिलाफ था? सिर्फ आपत्तिजनक कह देने से लोकतंत्र नहीं चलता। संजय शर्मा के मुताबिक यह मामला अब सिर्फ उनके चैनल का नहीं रह गया है बल्कि यह डिजिटल मीडिया की स्वतंत्रता और आलोचनात्मक पत्रकारिता की सीमाओं का बड़ा सवाल बन चुका है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार किसी भी असहज सवाल को समस्या मानने लगे और बिना स्पष्ट कारण बताए पूरे प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई करने लगे तो आने वाले समय में हर स्वतंत्र मीडिया संस्थान डर के साये में काम करेगा।

संपादक संजय शर्मा ने दर्शकों, समर्थकों और सब्सक्राइबर्स को दिया धन्यवाद

संपादक संजय शर्मा ने अपने दर्शकों समर्थकों और सब्सक्राइबर्स का भी विशेष तौर पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि 60 दिन की बंदी के दौरान देशभर से उन्हें लगातार संदेश, फोन कॉल और समर्थन मिलता रहा। यही समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बना। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों का प्यार और भरोसा ही हमारी असली पूंजी है। चैनल बंद हुआ लेकिन लोगों का साथ नहीं टूटा। यही वजह है कि हम फिर खड़े हैं। संजय शर्मा ने साफ किया कि 4PM नेशनल अब पहले की तरह फिर सवाल पूछेगा और जनसरोकार के मुद्दों को उठाता रहेगा। उनके मुताबिक पत्रकारिता का काम सत्ता से सवाल पूछना है न कि सिर्फ सरकारी बयान दोहराना।

मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर अपनी जान से ज्यादा भरोसा है

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति न्यायमूर्ति पुरुषइंद्र कुमार कौरव की अदालत में जब दोनों पक्षों की दलीलें रखी गईं, तब यह सवाल सबसे ज्यादा अहम बनकर सामने आया कि क्या कुछ चुनिंदा वीडियो के आधार पर किसी पूरे डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म को पूरी तरह बंद किया जा सकता है। न्यायमूर्ति ने माना कि यह गलत हुआ है और उन्होंने चैनल को बहाल करने के आदेश पारित कर दिये। संजय शर्मा ने अपने वीडियो संदेश में कहा है कि पिछले दो महीने उनके जीवन और पत्रकारिता के सबसे कठिन दौरों में से एक रहे। एक तरफ चैनल बंद था, दूसरी तरफ लगातार आरोप लगाए जा रहे थे। डिजिटल प्लेटफॉर्म रुक चुका था, आर्थिक नुकसान बढ़ रहा था और वर्षों की मेहनत अचानक संकट में दिखाई देने लगी थी। लेकिन इन सबके बीच अगर किसी चीज ने उन्हें टूटने नहीं दिया तो वह था भारतीय न्यायपालिका पर उनका विश्वास। उन्होंने कहा कि मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर अपनी जान से ज्यादा भरोसा है।

चैनल की वापसी पर डिजिटल मीडिया अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बड़ी बहस

राजनीतिक और मीडिया हलकों में इस पूरे घटनाक्रम को सिर्फ एक चैनल की वापसी नहीं माना जा रहा बल्कि इसे डिजिटल मीडिया अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आलोचनात्मक पत्रकारिता पर चल रही बड़ी बहस का हिस्सा माना जा रहा है। 60 दिनों की बंदी के बाद 4PM नेशनल की वापसी ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि लोकतंत्र में असहमति की सीमा क्या है और क्या सवाल पूछना अब भी लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत माना जाएगा?

पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द होने पर पूरे देश में बवाल

» राजनीतिक बयानबाजी तेज नेताओं ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नीट परीक्षा रद्द होने के बाद पूरे देश में सियासी घमासान मच गया है। चूकि मामला राज्स्थान में पकड़ में आया तो वहां पर विपक्ष ने भाजपा सरकार को घेर लिया है।

प्रदेश कांग्रेस और भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए युवाओं के भविष्य, परीक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता और दोषियों पर सख्त कार्रवाई को लेकर अलग-अलग बयान दिए हैं।

परीक्षा होने के तुरंत बाद छात्रों ने पेपर लीक की शिकायत की थी की गई अनदेखी : गहलोत

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मामले में कहा कि 3 मई को परीक्षा होने के तुरंत बाद छात्रों ने पेपर लीक की शिकायत की थी लेकिन इसके बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं होना समझ से परे है। उन्होंने कहा कि लगातार तीन वर्षों से पेपर लीक की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे युवा पीढ़ी निराश और परेशान है। गहलोत ने इसे बड़ी चुनौती बताते हुए स्थायी समाधान की जरूरत बताई। प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि जांच एजेंसियों को गड़बड़ी मिली होगी, तभी परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि जहां भी अनियमितता मिलेगी, सरकार उसे सुधारने के लिए काम करेगी।

मामले की जांच कर दोषियों को सजा दी जाएगी : मदन

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि एनटीए ने तुरंत कार्रवाई करते हुए परीक्षा रद्द की है। उन्होंने बताया कि दोबारा परीक्षा देने वाले छात्रों को फिर से फीस जमा नहीं करनी होगी और वही परीक्षा केंद्र बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मामले की जांच कर दोषियों को सजा दी जाएगी।

संगठित स्तर पर हुई गंभीर धांधली का प्रमाण : टीकाराम जूली

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि परीक्षा रद्द होना संगठित स्तर पर हुई गंभीर धांधली का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में पेपर लीक के दर्जनों मामले सामने आए हैं और सरकार युवाओं के भविष्य की रक्षा करने में विफल रही है। जूली ने राज्य सरकार पर सच्चाई दबाने और छात्रों को अनिश्चितता में रखने का भी आरोप लगाया।

पेपर लीक के पीछे बड़ा माफिया सक्रिय : पायलट

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि पेपर लीक के पीछे बड़ा माफिया सक्रिय है और सरकार को बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं पर गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए।

जो सरकार परीक्षा नहीं करा सकती वह देश कैसे चलाएगी : सुरेंद्र राजपूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । नीट परीक्षा में पेपर लीक के आरोपों के बाद परीक्षा रद्द किए जाने को लेकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जो सरकार परीक्षा नहीं करा सकती, वह देश कैसे चलाएगी। राजपूत ने आरोप लगाया कि अब तक सिर्फ जांच की बात हो रही है, लेकिन दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई और कौन पकड़ा गया, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था पर छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर हुआ है।

पूरी जांच होनी चाहिए सिर्फ सीबीआई को देने से कुछ नहीं होगा: सुले

एनसीपी-एसपी सांसद ने नीट पेपर लीकर पर कहा, 21वीं सदी में हम बैठे हैं, दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दौर में है और हमारे यहां पेपर लीक हो रहे हैं, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि ऐसी चीज भी हो सकती है। इसकी पूरी जांच होनी चाहिए सिर्फ सीबीआई को देने से कुछ नहीं होगा। बच्चों का किसी ने सोचा, उनके माता-पिता के बारे में किसी ने सोचा? 22 लाख बच्चों के करियर का सवाल है ये बहुत गलत बात हुई है, इसके लिए ये पूरी सरकार और उसका सिस्टम जिम्मेदार है।

ब्राह्मणों पर बयान से राज कुमार भाटी पर मचा घमासान

कांग्रेस समेत भाजपा ने साधा निशाना, माफी से काम नहीं चलेगा, अजय राय की मांग- एक्शन लें अखिलेश यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तब जब उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल जातीय गणित के मुताबिक रणनीतियां बनाने में जुटे हैं, समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने ब्राह्मण समाज पर एक कहावत का जिक्र करते हुए टिप्पणी करके मुसीबत मोल ले ली है। इस टिप्पणी को लेकर वे भाजपा के निशाने पर आए और अब उन्हें कांग्रेस ने भी घेर लिया है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने उनकी निंदा की है।

यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा है, %समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज के लिए इस्तेमाल की गई अभद्र भाषा घोर निंदनीय है। राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन किसी पूरे समाज को अपमानित करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने लिखा है, अखिलेश यादव जी, केवल माफी से काम नहीं चलेगा,ऐसे बड़बोले नेताओं पर तत्काल कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। जय ब्राह्मण । जय परशुराम। बता दें सपा के प्रवक्ता राजकुमार भाटी ने अपनी पोस्ट में लिखा है,दिल्ली के जवाहर भवन में डॉ रफरफ शकील अंसारी और जावेद अनवर द्वारा लिखित पुस्तक जाति और साम्प्रदायिकता के विषाणु का लोकार्पण था। लोकार्पण के बाद इसी विषय पर परिचर्चा थी। वक्ताओं में मेरे अलावा योगेंद्र यादव जी, आशुतोष, प्रो रतन लाल, शीबा असलम फहमी और बिलाल अहमद थे। मैंने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे समाज में जातियों को लेकर बहुत खराब मुहावरे, लोकोक्तियां और कहावतें बनी हुई है । मैंने यह भी कहा कि ऐसी कहावतें दोनों तरफ से हैं जो दूसरे समाज को अपमानित करती हैं।

राजकुमार भाटी ने ब्राह्मण समाज से मांगी माफी

इन तीखी प्रतिक्रियाओं पर राजकुमार भाटी ने पहले वह वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनकी वह टिप्पणी है जिसके बारे में कहा गया है कि उन्होंने कथित रूप से ब्राह्मण समुदाय को अपमानित किया है। बाद में उन्होंने अपना एक वीडियो संदेश जारी करके ब्राह्मण समाज से माफी मांगी है।

सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ना सपा की रणनीति : राकेश त्रिपाठी

इससे पहले बीजेपी के प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने राजकुमार भाटी के साथ समाजवादी पार्टी पर हमला बोला था। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट करके भाटी की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि, राजकुमार भाटी पहले पढ़े लिखे पत्रकार हुआ करते थे, फिर उन्होंने समाजवादी पार्टी ज्वाइन कर ली। विधानसभा चुनाव से पहले जाति का जहर बोना, सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ना सपा की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, इसीलिए सपाई कभी व्यक्तियों को और कभी जातियों को अपमानित कर रहे हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी की भर्ती रद्द होना युवाओं के संघर्ष की जीत : दीपेंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने हाईकोर्ट द्वारा असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी की भर्ती रद्द किए जाने को युवाओं के संघर्ष की जीत बताया। कहा कि अदालत के फैसले ने साबित कर दिया कि हरियाणा के युवा सक्षम हैं और भर्ती प्रणाली में गंभीर खामियां हैं। इस मुद्दे को लेकर दीपेंद्र के नेतृत्व में कांग्रेस ने हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन (एचपीएससी) कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन भी किया था।

उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती नियमों को इस तरह बनाया गया जिससे बड़ी संख्या में पद खाली रहे और स्थानीय युवाओं के बजाय बाहरी उम्मीदवारों को लाभ मिला। उन्होंने 613 पदों में सीमित चयन, आरक्षित वर्गों की सीटें खाली रहने और कई भर्तियों में गैर हरियाणवी उम्मीदवारों के बढ़ते चयन पर सवाल उठाए। दीपेंद्र ने एचपीएससी को भंग करने, सभी भर्तियों की जांच कराने और आयोग का पुनर्गठन कर योग्य हरियाणवी को कमान सौंपने की मांग की। कहा कि भाजपा सरकार रोजगार व पारदर्शिता दोनों मोर्चों पर विफल रही है।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

भाजपा राज में नौजवानों का भविष्य सुरक्षित नहीं : संजय सिंह

» माफिया का गठजोड़ देश को बर्बाद कर रहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी शिक्षा माफिया के साथ मिलकर देश के नौजवानों का भविष्य बर्बाद करने में लगी हुई है।

उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर पहली बार लीक नहीं हुआ है, इससे पहले वर्ष 24 में भी पेपर लीक हुआ था और अब 3 मई को हुई परीक्षा में 180 में से 135 सवाल लीक होने का मामला सामने आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोग शिक्षा माफिया के पूरे गिरोह को संरक्षण दे रहे हैं, जिसकी वजह से बार-बार पेपर लीक की घटनाएं हो रही हैं और लाखों छात्र-छात्राओं तथा उनके परिवारों का भविष्य अंधकार में धकेला जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि देश के लाखों नौजवान दिन-रात मेहनत करके प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भाजपा सरकार और उसके संरक्षण में पल रहे शिक्षा माफिया उनके सपनों को कुचलने का काम कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि आखिर यह पता लगाया जाना चाहिए कि पेपर लीक कराने वाले लोग कौन हैं, किसके संरक्षण में यह पूरा खेल चल रहा है और किन भाजपा समर्थित लोगों के जरिए शिक्षा के नाम पर यह संगठित कारोबार चलाया जा रहा है।

करोड़ों लोग इस पेपर लीक कांड से प्रभावित हुए

संजय सिंह ने कहा कि इस बार नीट परीक्षा में करीब 22 लाख छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था। अगर उनके परिवारों को भी जोड़ लिया जाए तो करोड़ों लोग इस पेपर लीक कांड से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ छात्र कठिन परिस्थितियों में रहकर पढ़ाई करते हैं, माता-पिता अपनी जमा पूंजी बच्चों की पढ़ाई पर खर्च करते हैं और दूसरी तरफ भाजपा सरकार की नाकामी और भ्रष्ट तंत्र की वजह से उनका भविष्य बर्बाद हो जाता है। यह केवल पेपर लीक नहीं बल्कि देश के नौजवानों के साथ खुला विश्वासघात है।

अपनी ही गल्तियों में फंसी दीदी!

राहुल गांधी को बात-बात पर नजर अंदाज किया

» इंडिया गठबंध को कागजी बताया
» अखिलेश-केजरीवाल पवार देंगे ममता का साथ
» कांग्रेस-सीपीआई ने नहीं स्वीकारी टीएमसी प्रमुख की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। बंगाल हार के बाद से टीएमसी समीक्षा शुरू हो गई है। टीएमसी चीफ ने कई प्रवक्ताओं को हटा दिया है। अब तो जो होगा उसका असर अभी पांच साल बाद ही पता चलेगा। हालांकि इस बीच नगर निकाय, ग्राम पंचायत व लोक चुनाव होंगे तब भी पार्टी की रणनीति का पता चल पाएगा। पर अंदर खाने से अब जैसे की बाते बाहर आ रही हैं उसके अनुसार तो इंडिया गठबंधन में अपनी भागीदारी सीमित करना उनके हार एक बड़ा कारण है। साथ ही अपने कॉडर के लोगों की अनुशासनहीनता पर लगाम न लगाना भी हार की वजह बना।

बता दें ममता बनर्जी ने एक बार कोलकाता में एक बयान भी दिया था। उसका जिक्र करना भी बड़ा जरूरी है। तब उन्होंने एक बात कही थी कि इंडिया ब्लॉक जो है ना वो कागज पर है। जमीन पर नहीं है। लेकिन वही कागज वाला जो है इंडिया ब्लॉक अब उनको उम्मीद है और भरोसा है। बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की काफी समय तक कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने की चर्चाएं थीं। समय बड़ा बलवान होता है। समय और हालात बदले। ममता बनर्जी 15 साल के बाद बंगाल की सत्ता से बाहर हो गई हैं। ममता बनर्जी चुनाव हारने के बाद पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस करने को आई। वह भी काली घाट में अपने घर में टीएमसी के दफ्तर में नहीं। प्रेस से मुखातिब होते हुए उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में बीजेपी, चुनाव आयोग और केंद्रीय सुरक्षा बलों पर हमला बोलते हुए साफ कहा कि वे हारी नहीं हैं। ममता ने कहा कि बीजेपी ने 100 से ज्यादा सीटें लूटीं हैं। सीएम की कुर्सी जाते ही उन्होंने सोनिया-राहुल से लेकर उद्धव-सोरेन तक का नाम ले डाला।

हार के बाद इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की आई याद

ममता ने इंडिया गठबंधन मजबूत करने का फैसला किया। सभी इंडिया गठबंधन के नेताओं की आभारी हूं। ऐसा उन्होंने बताया। राहुल गांधी- सोनिया गांधी का नाम लिया। जिन राहुल गांधी के बारे में कभी-कभी वह व्यक्तिगत तौर पर टिप्पणियां भी करती रही। अखिलेश यादव का साथ और उनकी जो केमिस्ट्री है सबको पता है। पर यहां भी एक बात छिपा गई। उन्होंने कहा अखिलेश यादव ने मुझे फोन किया और उन्होंने कहा मैं अभी आना चाहता हूं। आपसे मिलना चाहता हूं। वो आ रहे हैं। हेमंत सोरेन का भी जिक्र किया और तेजस्वी यादव का भी। तेजस्वी यादव उनके यहां चुनाव प्रचार करने गए थे। उद्धव ठाकरे का भी जिक्र किया। अरविंद केजरीवाल और बाकी नेताओं ने मुझे फोन किया। अरविंद तो खुलकर ममता बनर्जी के साथ हैं। ममता ने कहा मैं एक फ्री बर्ड हूं। मतलब आजाद पंछी हूं। इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं से मिलकर आगे की रणनीति बनेगी और फिर हम पूरे देश में बीजेपी के खिलाफ एक मजबूत इंडिया ब्लॉक बनाएंगे।

अपना नफा और नुकसान देखकर फैसला लेने की आदत

2024 के लोकसभा चुनाव का वो दौर जब इंडिया गठबंधन के कन्वेनर और चेयरमैन पद की कवायद गढ़ी जा रही थी। नीतीश कुमार और मल्लिकार्जुन खरगे तक के नाम लगभग तय हो गए थे। ऐन वक्त पर अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर ममता दीदी ने दूसरा गेम प्लान बना लिया था कि अगर किसी भी तरीके से उनको कन्वीनर नहीं बनाया जाता है तो ना तो हम खेलेंगे ना खेलने देंगे। वो जिद पर आ गई कि अगर आपने ऐसा किया मुझे कन्वीनर नहीं बना के नीतीश कुमार को कन्वीनर बनाया तो फिर हम इंडिया ब्लॉक से चल देंगे। अंत में क्या हुआ नीतीश कुमार इंडिया ब्लॉक से निकले और चले गए एनडीए में और जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए तो इसका मलाल आज तक सभी दलों को है। ममता बनर्जी को लगता है कि जब उनको जरूरत पड़े तो इंडिया ब्लॉक उनके साथ रहे। लेकिन जब इंडिया ब्लॉकर को जरूरत पड़े तो वह अपना नफा और नुकसान देखती है।

> ममता बनर्जी को लगता है कि जब उनको जरूरत पड़े तो इंडिया ब्लॉक उनके साथ रहे। लेकिन जब इंडिया ब्लॉकर जरूरत पड़े तो वह अपना नफा और नुकसान देखती है।

खुद को पीएम मोदी के मुकाबिल खड़ा करने की चलाई मुहिम

इतना ही नहीं मोदी सरकार को सरकार से लेकर संसद में विभिन्न मुद्दों पर घेरते राहुल गांधी और कांग्रेस का साथ देने की बजाए ममता बनर्जी का पूरा फोकस खुद को पीएम मोदी के मुकाबिल खड़ा करने में लगा था। उद्धव ठाकरे की पार्टी में संजय राउत ने कहा था कि अगर बीजेपी से कोई लड़ सकता है तो ममता बनर्जी लड़ सकती है। अखिलेश यादव गए थे कोलकाता और ममता बनर्जी से उनकी मुलाकात हुई। बाहर निकले पत्रकारों ने कुछ सवाल पूछे तब उन्होंने कहा था कि अगर बीजेपी से कोई लड़ सकता है सबसे मजबूती से लड़ रही हैं तो वह ममता बनर्जी लड़ रही हैं। मतलब उन्हें राहुल गांधी ने ये सब कुछ जो है शरद पवार ने ये भी ये बात कही थी। एक तरीके से ना इंडिया ब्लॉक के अंदर ही एक ब्लॉक बना लिया था।

कुछ मुद्दों पर टीएमसी ने रखा राहुल से अलग रुख

गौतम अडानी के मामले पर तय हुआ कि संसद के अंदर और संसद के बाहर सांसद प्रदर्शन करेंगे तो अडानी के मुद्दे पर प्रदर्शन होगा। सारी पार्टियां तैयार थी। अचानक से टीएमसी ने अपना स्टैंड बदल लिया। बातचीत फाइनल हो जाती है। सब कुछ तय हो जाता है। लेकिन फायदा क्योंकि उनको दिखता है तो फिर ममता बनर्जी उससे अलग निकल लेती हैं। अडानी के मुद्दे पर भी संसद के अंदर और बाहर उन्होंने इंडिया गठबंधन का साथ नहीं दिया। इसके अलावा एसआईआर के मुद्दे को उठाया राहुल गांधी ने। उन्होंने कहा वोट चोरी हो रही है। महाराष्ट्र में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कई सारे प्रेस कॉन्फ्रेंस किए। लेकिन तब तक ममता बनर्जी एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी नहीं थी।

इंडिया ब्लॉक को बताया था कागजी

ममता को ये नाम अचानक यूं ही नहीं याद आए हैं। ममता बनर्जी ने एक बार कोलकाता में एक बयान भी दिया था। उसका जिक्र करना भी बड़ा जरूरी है। तब उन्होंने एक बात कही थी कि इंडिया ब्लॉक जो है ना वो कागज पर है। जमीन पर नहीं है। लेकिन वही कागज वाला जो है इंडिया ब्लॉक अब उनको उम्मीद है और भरोसा है। बंगाल चुनाव में ममता बनर्जी की काफी समय तक कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने की चर्चाएं थीं। कुछ सीटों पर दोनों दलों में एक राय नहीं बन पाई। ऊपर से तो दोनों ही दल चुप्पी साधे रहे, लेकिन अंदर ही अंदर खटपट होती रही। अचानक एक दिन ममता ने कह दिया- एकला चलो, यानी बंगाल में इंडिया गठबंधन को खारिज करते हुए अकेले ही चुनाव लड़ने का ऐलान। ममता को लग रहा था कि कांग्रेस बंगाल में लेफ्ट के साथ भी गलबहियां कर रही है, जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ेगा। वाम दल के विरोध की लहर पर सवार होकर ही ममता सत्ता के शिखर तक पहुंची थीं। ऐसे में ये नजदीकी ममता को खटकी और उन्होंने फौरन किसी भी तरह के गठबंधन से दूरी बना ली।

ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने का किया था फैसला

इंडिया ब्लॉक की एक बैठक में कुछ ऐसी बात हुई कि ममता बनर्जी ने इंडिया गठबंधन से बाहर निकलने का फैसला कर लिया था और इस फैसले में उन्होंने बड़ी चालाकी से अरविंद केजरीवाल को भी जोड़ लिया था। वही ममता बनर्जी बंगाल का चुनाव हारने के बाद आखिर क्यों कह रही हैं कि मुझे इंडिया गठबंधन को मजबूत करना है। याद दिला रही हैं कि इंडिया ब्लॉक के किन-किन नेताओं ने उन्हें फोन किया और बताया कि हम आपके साथ हैं। वक्त बड़ा बलवान होता है। समय और हालात बदले। ममता बनर्जी 15 साल के बाद बंगाल की सत्ता से बाहर हो गई हैं। तो अब उन्हें राहुल गांधी की भी याद आ रही है। अखिलेश यादव की भी याद आ रही है और ऐसे तमाम नेताओं की क्यों ममता बनर्जी आज अकेली पड़ने पर इंडिया गठबंधन की माला जप रही है। मैं इस्तीफा नहीं दूंगी। मैं हारी नहीं हूं। मैं हराई गई हूं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjayshrama
@Editor_Sanjay

एनसीआरबी के आंकड़े सरकारों को दिखाते आइना

> अपराध के आंकड़े, आम लोगों के लिए हैरान-परेशान करने वाले भी होते हैं, जब उन्हें पता चलता है कि वास्तव में उनके आसपास चल क्या रहा है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट, जिसमें 24 में हुए अपराधों के आंकड़े सामने आए हैं, फिर से हमें चिंता में डाल रहे हैं।

अभी हाल में राष्ट्रीय अपराध रेकॉर्ड ब्यूरो-एनसीआरबी के जो आंकड़े आए हैं वो सरकारों को तो आईना दिखाते ही रहे हैं। समाज को भी अपने गिरबां में झांकने की जरूरत है। इन आंकड़ों सरकार के इस कहावत की सब ठीक है उसकी कलई खोली है। इसी तरह समाज के उस अंधेरे पक्ष को उजागर करने वाले होते हैं, जिनकी अनदेखी के परिणाम समाज को पतन की ओर धकेलने वाले हो सकते हैं। इन आंकड़ों से इसका भी संकेत मिलता है कि शासन-प्रशासन को किन क्षेत्रों पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि साल-दर-साल ये आंकड़े यही बताते हैं कि अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा। अपराध के आंकड़े, आम लोगों के लिए हैरान-परेशान करने वाले भी होते हैं, जब उन्हें पता चलता है कि वास्तव में उनके आसपास चल क्या रहा है। एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट, जिसमें 24 में हुए अपराधों के आंकड़े सामने आए हैं, फिर से हमें चिंता में डाल रहे हैं। इनके मुताबिक देश में प्रति 17 मिनट में किसी न किसी की हत्या, हर पांच मिनट में किसी न किसी का अपहरण और हर 18 मिनट में किसी न किसी से बलात्कार हो रहा है।

धोखाधड़ी और आर्थिक अपराध तो हर दो मिनट में हो रहे हैं। डिजिटल क्रांति के बाद तो साइबर अपराध की बाढ़ आ गई है और इन्हें नियंत्रित करने के उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं हैरानी की बात यह भी है कि शांत समझा जाने वाला राजस्थान महिलाओं के खिलाफ अपराध में लगातार छठे साल शीर्ष पर बना हुआ है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चौथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार पकड़वा विवाह के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है हालांकि, इस बात से खुश हुआ जा सकता है कि इन आंकड़ों में 23 की तुलना में कई तरह के संगीन अपराधों में कमी आई है। कुछ विशेषज्ञ इसकी वजह नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होना बता रहे हैं, जिसमें संज्ञेय अपराधों की लिस्ट से कई अपराध हटा दिए गए हैं।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पंजाब की राजनीति में वार-पलटवार का दौर

ज्योति मल्होत्रा

पंजाब की भाजपा इकाई ने गत शुक्रवार शाम चंडीगढ़ के एक पांच-सितारा होटल में पश्चिम बंगाल चुनावों में मिली जीत का जश्न मनाया। ऐसे समय, जब बमुश्किल एक दिन पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)ने चंडीगढ़ के ठीक बाहर मोहाली में पंजाब के तीन रियल एस्टेट डेवलपर्स पर छापा मारा। बेशक ये दोनों घटनाएं अलग-अलग हैं, लेकिन हर कोई जानता है कि आपस में जुड़ी हैं। भाजपा में आया यह नया आत्मविश्वास किसी वक्त अक्सर दोहराई जाने वाली कहावत से उपजा 'जो बंगाल आज करता है, बाकी देश कल करता है'। और अब, माहौल में सवाल गूंज रहा है, 'क्या अगली बारी पंजाब की है?' यह सवाल सिर्फ पंजाब ही नहीं, बल्कि पूरा देश पूछ रहा है। निश्चित रूप से, अब पंजाब में खुलकर मुकाबला शुरू हो चुका है।

आइये, शुरुआत भारत के नक्शे से करते हैं, जिसमें पिछले 12 सालों में, जब से प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में आए हैं, ज्यादातर सूबे भगवा रंग में रंग चुके हैं। उत्तर में हिमाचल प्रदेश और पंजाब; दक्षिण में केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और कर्नाटक; और पूर्वी भारत में झारखंड को छोड़ आज शेष पूरा देश भाजपा के अधीन है। दोहराना जरूरी नहीं कि कैसे क्रमवार सूबे भाजपा के पास आते गए। हम यह भी जानते हैं कि चुनाव जीतने को भाजपा बारीकियों पर बहुत ध्यान देती है। बंगाल में, जाति, लिंग और 'धर्म-परिवर्तन' वाले 'पोरिबोर्तन' मिश्रण में विशेष गहन पुनरीक्षण भी जोड़ दिया गया। हमारे अखबार के पृष्ठों के अलावा, वरिष्ठ पत्रकार लिखते हैं कि कैसे भाजपा ने अन्य सूबों में इस्तेमाल किए जाने वाले अपने रणनीतिक घोष 'जय श्रीराम' को बंगाल में थोड़ा मंद करने का फैसला किया; और इसकी बजाय, लोगों के अंदर ममता बनर्जी शासन के प्रति मोहभंग को भुनाने पर ध्यान केंद्रित किया। 'कोई कसर न छोड़ने' वाली इस रणनीति में बांग्लादेश को भी अलग नहीं रखा गया- पांच साल पहले भाजपा में शामिल हुए तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजा गया है, बंगाल के प्रति अच्छी नीयत दर्शाने के लिए।

पंजाब पर ध्यान केंद्रित करने की तैयारियां काफी समय से चल रही थीं। फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी रविदासिया सिख संप्रदाय के आराध्य संत रविदास की जयंती के अवसर पर गुरुद्वारा सचखंड बल्लां गए थे, इससे पहले जनवरी में इस संप्रदाय के प्रमुख को पद्म श्री से नवाजा गया था- राज्य की कुल

सिख जनसंख्या में लगभग 22 प्रतिशत दलित समुदाय से हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का पगड़ी में पंजाब के दौरे करने के पीछे मंतव्य जगजाहिर है। ऐसा लगता है कि आम आदमी पार्टी के जो सात राज्यसभा सांसद हाल ही में पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं, जल्द ही चंडीगढ़ में डेरा जमा लेंगे- उनके स्टाफ के लोग पहले से ही यहां मौजूद हैं। गत सप्ताह के शुरू में राष्ट्रपति भवन में वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम के सम्मान में आयोजित भोज का मेन्यू भी पंजाब के मशहूर शेफ हरपाल सिंह सोखी ने ही तैयार किया था इस मेन्यू में बठिंडा वाले आलू, दाल अमृतसरी और हरियाणा को भी स्थान देते हुए हिसार की बाजरा खिचड़ी शामिल थी। जैसे-जैसे ये अटकलें जोर पकड़ रही हैं कि पंजाब में चुनाव साल के अंत में होंगे- जनगणना कार्य जनवरी 2027 के मध्य तक शुरू होने की संभावना है, अर्थात यह काम चुनावों के साथ-साथ नहीं चल सकता- राज्य की भाजपा इकाई निश्चित रूप से अपने प्रतीकात्मक खंजर को धार देने में जुट गई है। यह बात किसी की भी नजर से छिपी नहीं कि ईडी ने आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रदेशाध्यक्ष अमन अरोड़ा का नाम उन रियल एस्टेट कारोबारियों में से एक के साथ जोड़ा है, जिनके ठिकानों पर गुरुवार सुबह छापा मारा गया था। जी हां, अब आर-पार की लड़ाई शुरू हो चुकी है। जहां भाजपा सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को निशाना बना रही है तो वहीं मुख्यमंत्री भगवंत मान, अकाली दल पर और साथ में भाजपा को लपेटते हुए पलटवार कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने 2015 में हुई बेअदबी की घटनाओं का मुद्दा फिर जोर-शोर से उठाया है। ये घटनाएं उस समय हुई थीं, जब अकाली दल-भाजपा गठबंधन सत्तासीन था।

यकीकन आम आदमी पार्टी पंजाब में अपनी सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत से लड़ेगी, क्योंकि उसे भली-भांति अहसास है कि भारतीय राजनीति में तीसरे ध्रुव के तौर पर गंभीरता से लिए जाने में उसके पास यही एकमात्र मौका बचा है। हाल ही में पारित जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 का उद्देश्य भी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के (और इस प्रकार अकाली दल का भी) जबरदस्त प्रभाव को क्षीण करना है। प्रबंधक कमेटी भी आए दिन 'आप' विरोधी बयान जारी करती रहती है। बंगाल जीतने से भाजपा का जोश निश्चित रूप से बढ़ गया है।

दुनिया में सबसे अनमोल है जीवन की शांति

डॉ. मधुसूदन शर्मा

आज दुनिया को जिस चीज की सर्वाधिक आवश्यकता है वह है जीवन की शांति। व्यक्ति के जीवन की शांति से ही, परिवार, समाज व देश में शांति संभव है। अक्सर पूछा जाता है कि शांति की परिभाषा क्या है, किसको शांति कहते हैं। किसी ने कहा, युद्ध न होना ही शांति है। लेकिन दुनिया में कई ऐसे देश हैं जहां युद्ध नहीं है तो क्या वहां शांति है... किसी ने कहा कि आवाज का अभाव शांति है... तो क्या आवाज नहीं होना शांति है। दरअसल, जीवन में जैसा आप सोचेंगे वैसे ही अनुभव करेंगे। वैसा ही हमारा जीवन होगा। लेकिन जो मन की शांति है, वो बाहर नहीं मिलेगी। इसीलिए कहा जाता है कि अंदर शांति है तो बाहर शांति। सही मायने में शांति मन की स्थिति है।

शांति आत्मा का स्वभाव है। आत्मा का स्वधर्म शांति। जहां आत्मा अपने स्वधर्म को महसूस करती है, वहां शांति व्याप्त होती है। हर चीज का अपना स्वभाव होता है। प्रकृति का अपना स्वभाव है। जैसे हवा का स्वभाव वेग है। जल का स्वभाव शीतलता है। आत्मा का स्वभाव स्वभावत: शांति है। इसी कारण हर कोई शांति चाहता है। हम अपने कर्म और स्वभाव के अनुसार शांति की इच्छा रखते हैं, क्योंकि यह हर किसी का मूल स्वभाव है। शांति का अनुभव किया जा सकता है और इसे ध्यान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। पहले हम अपनी आत्मा को पहचानें कि मैं कौन हूं। मैं वही हूं जिसका स्वभाव शांति है। निस्संदेह, ये संसार एक मुसाफिरखाना है। हमारे जीवन का लक्ष्य हो कि न दुख दो न दुख लो। ये आत्मा का ट्रीटमेंट है। शांति से संतुलित करुणामय समाज का निर्माण होगा। हमें नफरत की आग को बुझाना है। शांति का सपना सजाना है हमें। लेकिन आत्मा की शान है शांति की अनुभूति। आज वैश्विक आवश्यकता है शांति। युद्ध के बादल पूरी दुनिया में छाये हुए हैं। निस्संदेह, हमारे जीवन से दूसरों के जीवन में शांति आएगी। लेकिन आज हम अपने स्वधर्म को भूल गए हैं। उच्च आत्मा का स्वधर्म शांति है। जब हम स्वधर्म में स्थापित हो जाएंगे तो शांति आ जाएगी। जीवन में सुख-शांति अनुभव करेंगे। हमें अपने को शांति स्वरूप बनाना है।

वर्तमान समय में दुनिया में कई जगह युद्ध चल रहे हैं। लेकिन समाज व परिवार में भी किसी प्रकार का कोई संघर्ष है वो समाप्त हो। मनुष्य के जीवन व परिवार में शांति हो। जीवन में प्रगति तभी संभव है जब वहां शांति हो। जब आपका मन शांत होता है, तो आपकी निर्णय क्षमता स्पष्ट हो जाती है। शांत मन में बुद्धि में रचनात्मकता और श्रेष्ठ संकल्प उत्पन्न होते हैं। शांत स्वभाव दूसरों पर भी प्रभाव डालता है। विश्व शांति के साथ-साथ हमारे मन में भी शांति होना आवश्यक है। हम सभी की सोच श्रेष्ठ हो। सकारात्मक सोच हो। हमारे हर कार्य में शांति का संदेश हो। ऐसा जीवन का लक्ष्य हो कि शांति व्यापक हो जाए। शांति के लिए अपने अंदर झांकिए मैं कौन हूं। मैं क्यों इस दुनिया में आया हूं। मुझे क्या करना है। मुझे कहां जाना है। आपको भीतर से जवाब मिलेगा कि मैं एक आत्मा हूं। एक सूक्ष्म ज्योति हूं। हम जीवन में जो कार्य करते हैं वो हमारा अभिनय मात्र है।

यह दुनिया हमारा कर्म क्षेत्र है। हमारा निवास पांच तत्वों से निर्मित शांति का धाम है। मन और बुद्धि से हम उसी धाम में पहुंच जाएं। तब असीम शांति मिलेगी, क्योंकि हमारी आत्मा शांति स्वरूप है। संसार में हर आत्म शांति का अनुभव करें। तब यह संसार सुख शांति से संपन्न हो जाएगा। हम सबको सुख देने का प्रयास करें। कर्मक्षेत्र में सोच श्रेष्ठ है तो जीवन श्रेष्ठ होगा। जीवन में आनंद से रहें। श्रीकृष्ण की मुरली ने दुनिया में शांति का संदेश फैलाया। बंधुत्वता में शांति का संदेश निहित है । शांति वो नहीं जो शांति की स्मृति है। तूफान में भी शांति बनाये रखें। ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी हम शांति स्थापित कर सकें। अपने जीवन में शांति को अनुभव करते हुए दूसरों को शांति दें। हम व्यक्तिगत जीवन से शुरुआत करें। स्वार्थ, क्रोध, अविश्वास आदि अशांति का कारण बनता है। साधन सुविधा जुटाकर शांति जुटाने का प्रयास निरर्थक है। जैसे धन से किताब खरीद सकते हैं ज्ञान नहीं। धन से बिस्तर मगर नींद नहीं खरीदी जा सकती है।

हम साधन तो खरीद सकते हैं। शांति नहीं खरीद सकते। लेकिन आज सब कुछ तो है तो शांति नहीं है। धर्म की शरण में हम शांति के लिए जाते हैं। आज धर्म का स्वरूप कट्टरता हो गया है। हम सबके भीतर आत्मा एक है। उसका धर्म शांति है। आत्मा आनन्द स्वरूप, सुख स्वरूप, प्रेम स्वरूप है। सभी धर्म शांति का संदेश देते हैं। वसुधैव कुटुंबकम? का संदेश दुनिया को एक सूत्र में बांधता है। अशांत दुनिया में आध्यात्मिक साधना से अनियंत्रित इच्छाएं रोकी जा सकती हैं। हम तनाव, चिंता भय से अशांत होते हैं। ज्ञान व योग से शांति मिलती है। शांत स्वरूप का अभ्यास करें। आत्मचिंतन से सकारात्मकता के विचार से हम मन को चैतन्य बनायें। जब हम मन से अशांत होते हैं तो परमात्मा को याद करते हैं। हम प्रत्येक दिन परमात्मा को याद करके अपने मन को शांति की स्थिति में ला सकते हैं। विपरीत स्थिति में हम शांति का अनुभव नहीं कर पाते। हम शांत की मनस्थिति में हैं तो समाज में योगदान दे सकते हैं। हम समाज में जो दे रहे हैं, उससे हम समाज की मानसिकता में परिवर्तन ला सकते हैं।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

नियमित रूप से टहलना आपके दिल की सेहत के लिए बेहतरीन है। यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने और शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है। बेहतर रक्त प्रवाह धमनियों को स्वस्थ रखता है, जिससे हृदय रोगों और स्ट्रोक का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। हृदय को फिट रखने का यह सबसे किफायती और अच्छा तरीका है। वहीं, जब हार्ट हेल्थ के मरीज रोजाना नियमित रूप से कुछ समय के लिए वॉक करते हैं, तो तो शरीर में ऑक्सीजन सप्लाई में भी सुधार होता है।

वजन घटाने में सहायक

अगर आप पेट की जिद्दी चर्बी से परेशान हैं, तो यह आदत आपके लिए जरूरी है। पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, जो रात के समय आमतौर पर धीमा हो जाता है। यह शरीर को भोजन से प्राप्त ऊर्जा का सही उपयोग करने में मदद करता है, जिससे अतिरिक्त कैलोरी फैट के रूप में जमा नहीं हो पाती।

पाचन तंत्र रहेगा मजबूत

रात के खाने के बाद टहलने का सबसे बड़ा फायदा बेहतर पाचन है। पैदल चलने से पेट और आंतों की सक्रियता बढ़ती है, जिससे गैस्ट्रिक एंजाइम तेजी से स्रावित होते हैं। यह प्रक्रिया कब्ज की समस्या को जड़ से खत्म करने में सहायक है। जो लोग नियमित रूप से खाने के बाद टहलते हैं, उनमें अपच और भारीपन की शिकायत न के बराबर होती है। इसके अलावा पाचन तंत्र को मजबूत करने के लिए दिनभर में 2 से 3 लीटर पानी अवश्य पिएं। ऐसा करने से विषाक्त पदार्थो आसानी से बाहर होंगे और पेट हेल्दी रहेगा। कोशिश करें सुबह की शुरुआत हल्के गुनगुने पानी से करें।

डिनर के बाद 10 मिनट टहलने के हैं बड़े फायदे

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और डेस्क जॉब के कल्चर ने हमारी शारीरिक सक्रियता को काफी कम कर दिया है। अक्सर लोग रात का भारी खाना खाने के तुरंत बाद सो जाते हैं या सोफे पर बैठकर टीवी देखने लगते हैं, जो सेहत के लिए बेहद हानिकारक साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, रात के भोजन के बाद केवल 10 से 15 मिनट की सैर आपके शरीर में जादुई बदलाव ला सकती है। यह छोटी सी आदत न केवल आपके पाचन तंत्र को मजबूत करती है, बल्कि मेटाबॉलिज्म को तेज कर वजन घटाने में भी मदद करती है। आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा दोनों ही भोजन के बाद शतपावली (सौ कदम चलना) को अनिवार्य मानते हैं। जब आप खाने के बाद टहलते हैं, तो गुरुत्वाकर्षण और शारीरिक गति मिलकर भोजन को पाचन नली में तेजी से आगे बढ़ाते हैं, जिससे गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी जैसी समस्याओं से स्थायी राहत मिलती है। यह आदत आज के समय में कब्ज, एसीडिटी जैसी समस्याओं से बचने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है।

ब्लड शुगर रहता है नियंत्रित

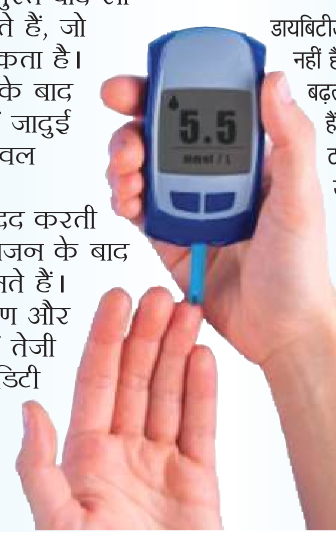

डायबिटीज के मरीजों के लिए डिनर के बाद टहलना किसी वरदान से कम नहीं है। भोजन के तुरंत बाद टहलने से शरीर में इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ती है और खून में शुगर का लेवल अचानक नहीं बढ़ता। शोध बताते हैं कि भोजन के बाद थोड़ी देर टहलना टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को कम करने में काफी प्रभावी साबित होती है।

शुरू करें नई शुरुआत

ध्यान रखें कि भोजन के बाद आपको दौड़ना या भारी व्यायाम नहीं करना है, बल्कि धीमी गति से सहजता के साथ सिर्फ टहलना है। आरामदायक जूते पहनें और अपने घर के पास या छत पर ही इस आदत को शुरू करें। सेहत की ओर बढ़ाया गया यह 10 मिनट का छोटा कदम आपके भविष्य को निरोगी और खुशहाल बना सकता है।

मानसिक तनाव करे कम

रात की सैर केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी है। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करती है, जो तनाव और चिंता को कम करता है। भोजन के बाद ताजी हवा में टहलने से दिमाग शांत होता है, जिससे आपको जल्दी और गहरी नींद आती है। अनिद्रा के मरीजों के लिए यह रामबाण इलाज है।

इम्यूनिटी बढ़ती है

जब आपका पाचन और नींद सही होती है, तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता अपने आप बढ़ जाती है। टहलने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं और आप अगले दिन अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। यह छोटी सी दिनचर्या आपकी उम्र बढ़ाती है और आपको मौसमी बीमारियों से लड़ने की ताकत देती है।

मनीष कुमार मौर्य

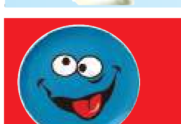

हंसना मना है

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है,तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब.. मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताये? डॉक्टर- आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें..

पापा बेटी से- बेटी पहले तो तुम मुझे पापा कहती थी, लेकिन अब तुम मुझे डैड कहती हो, क्यों? बेटी- ओह डैड, पापा कहने से लिपस्टिक खराब होती है।

संता बार में रो रहा था। बंता- क्यों रो रहे हो? संता- और क्या करूं? जिस लड़की को भुलाना चाहता हूं, उसका नाम ही याद नहीं आता।

पत्नी ने गुस्से में पति से कहा-मैं तंग आ गई हूं रोज की किच-किच से.. मुझे तलाक चाहिए! पति- ये लो चॉकलेट खाओ.. पत्नी (रोमांटिक होते हुए)- मना रहें हो मुझे.. पति- नहीं रे पगली, मां कहती है, अच्छा काम करने से पहले, मीठा खाना चाहिए।

एक बार टिल्लू डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर - कौन सा ग्रूप है आपका? संता- जी नादान परिंदे। डॉक्टर - ब्लड ग्रूप पूछ रहा हूं, व्हाटसएप के कीड़े!

कहानी — बल प्रयोग अंतिम विकल्प

चिड़िया का दाना पेड़ के कंदरे में फंस गया था। चिड़िया ने पेड़ से अनुरोध किया उस दाने को देदे। लेकिन पेड़ ने उसकी नहीं सुनीं। हार कर चिड़िया बढ़ई के पास गई और अनुरोध किया कि उस पेड़ को काट दो, भला एक दाने के लिए बढ़ई पेड़ कहां काटने वाला था..फिर चिड़िया राजा के पास गई और कहा बढ़ई को सजा दो क्योंकि बढ़ई पेड़ नहीं काट रहा और पेड़ दाना नहीं दे रहा...राजा ने चिड़िया को भगा दिया। चिड़िया महावत से बोली अगली बार राजा जब हाथी की पीठ पर बैठेगा तो तुम उसे गिरा देना, महावत ने भी चिड़िया को डपट कर भगा दिया...चिड़िया फिर हाथी के पास गई और उससे कहा कि अगली बार जब महावत तुम्हारी पीठ पर बैठे तो तुम उसे गिरा देना क्योंकि वो राजा को गिराने को तैयार नहीं...ऐ छोटी चिड़िया..तू इतनी सी बात के लिए मुझे महावत और राजा को गिराने की बात सोच भी कैसे रही है? चिड़िया चींटी के पास गई और कहा कि तुम हाथी की सूंढ़ में घुस जाओ...चींटी ने कहा, चल भाग यहां से...बड़ी आई हाथी की सूंढ़ में घुसने को बोलने वाली अब चिड़िया ने रौद्र रूप धारण कर लिया...उसने कहा कि मैं चाहे पेड़, बढ़ई, राजा, महावत, और हाथी का कुछ न बिगाड़ पाऊं...पर तुझे तो अपनी चोंच में डाल कर खा ही सकती हूं... चींटी डर गई...भाग कर वो हाथी के पास गई...हाथी महावत के पास, महावत राजा के पास कि महाराज चिड़िया का काम कर दीजिए नहीं तो मैं आपको गिरा दूंगा....राजा ने फौरन बढ़ई पेड़ काटने को कहा, बढ़ई को देखते ही पेड़ बिलबिला उठा कि मुझे मत काटो। मैं चिड़िया को दाना लौटा दूंगा...अंत मे चिड़िया ने अपना दाना प्राप्त कर लिया और वो खुशी खुशी अपने घोंसले में चली गयी।

कहानी से सीख- आपको अपनी ताकत को पहचानना होगा...भले आप छोटी सी चिड़िया की तरह होंगे, लेकिन ताकत की कड़ियां कहीं न कहीं आपसे होकर गुजरती होंगी...हर शेर को सवा शेर मिल सकता है। इसलिए लड़ाई से घबराएं नहीं... आप अगर किसी काम के पीछे पड़ जाएंगे तो वो काम होकर रहेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृषभ

नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

सिंह

व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या

पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

तुला

किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। जल्दबाजी से बचें।

वृश्चिक

मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

धनु

दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें।

मकर

सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा। भाग्य अनुकूल है।

कुम्भ

किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

मीन

कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। परिवार के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

हालीवुड | मन की बात

युवाओं को सुभाष घई की सलाह यदि लंबी पारी खेलनी हो तो अपने अभिनय पर ध्यान दें

फिल्ममेकर सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर एक बेहद दिलचस्प पोस्ट शेयर की है। इसमें उन्होंने आज के दौर के एक्टर्स और पुराने समय के कलाकारों के बीच का अंतर बताया है। उन्होंने 'कर्ज', 'हीरो', 'ताल' और 'खलनायक' जैसी अपनी कल्ट क्लासिक फिल्मों के पोस्टर्स साझा करके पुराने दिनों को याद किया। उस दौर में कलाकार फीस या लग्जरी सुविधाओं के पीछे नहीं भागते थे। सुभाष घई के मुताबिक, पहले के दौर में एक्टर्स के लिए सबसे जरूरी स्क्रिप्ट और उनका किरदार हुआ करती थी। वे अपने डायरेक्टर पर पूरा भरोसा करते थे और उनकी पूरी कोशिश बस इतनी होती थी कि कैसे अपनी परफॉर्मेंस को यादगार बनाया जाए। सुभाष घई ने आज के युवा कलाकारों को एक जरूरी सलाह देते हुए कहा कि अगर उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में लंबी पारी खेलनी है, तो उन्हें वापस अपनी कला और अभिनय पर ध्यान देना होगा। उन्होंने चिंता जताते हुए लिखा कि आजकल के कुछ नए स्टार्स के बारे में सुनने में आता है कि वे अच्छी एक्टिंग के बजाय पैसे और पावर को ज्यादा अहमियत देते हैं। डायरेक्टर का मानना है कि सुविधाओं पर फोकस करना अच्छी बात है, लेकिन अगर कलाकार का जुनून सिर्फ कमाई तक सीमित रह जाएगा, तो उसकी जड़ें में वो मजबूती नहीं आएगी जो उसे इंडस्ट्री में टिकाए रखे। असली और लंबी सफलता सिर्फ शानदार काम और परफॉर्मेंस से ही मिलती है। सुभाष घई ने अपने करियर में हर जॉनर की फिल्में दी हैं। चाहे वो 'राम लखन' जैसी मसाला फिल्म हो या 'परदेस' जैसी म्यूजिकल हिट। फिलहाल, वे 'व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल' नाम का एक फिल्म स्कूल चला रहे हैं, जो दुनिया के बेहतरीन संस्थानों में गिना जाता है। इस एक्टिंग स्कूल के जरिए वे नए टैलेंट को फिल्म मेकिंग और एक्टिंग की बारीकियां सिखा रहे हैं।

मीरा नायर की 'अमरी' में मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी प्रियंका चोपड़ा

डॉक्यूमेंट्री फिल्मों से अपने निर्देशन करियर की शुरुआत करने वाली मीरा नायर अब एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं। इस फिल्म का नाम है अमरी। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के अलावा कई कलाकाल नजर आएंगे।

मीरा नायर की नई फिल्म अमरी में मुख्य भूमिका में अंजलि शिवरामन अमृता शेर-गिल का किरदार निभाएंगी। एमिली वॉटसन उनकी मां मैरी-एंटोनेट का रोल करेंगी। जयदीप अहलावत उनके पिता उमराव सिंह शेर-गिल के किरदार में नजर आएंगे। क्रिस्टियन साकवारी विक्टर ईगन के रूप में नजर आएंगी।

अंजना वासन इंदिरा शेर-गिल के रूप में और जिम सरभ कार्ल खंडालावाला के रूप में नजर आएंगे। इन सभी के अलावा प्रियंका चोपड़ा मैडम अजूरी के रोल में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा इस फिल्म की एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर भी हैं। आज मंगलवार को मीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी नई फिल्म अमरी का पहला लुक जारी किया है।

अमृता शेर-गिल की कला ने मीरा नायर को बहुत प्रभावित किया है। एएनआई के अनुसार मीरा ने कहा, अमरी अमृता शेर-गिल की कला से प्रेरित है। उन्होंने यूरोप में अच्छी ट्रेनिंग ली और फिर भारत की आत्मा को अपनी पेंटिंग में उतारा। उनके रंगों की हिम्मत और आम लोगों को चित्रित करने का तरीका मुझे हमेशा प्रभावित करता रहा है।

2027 में अमृता शेर-गिल की पेंटिंग्स की बड़ी प्रदर्शनियां दुनिया भर में लगाई जाएंगी। ये पेरिस से शुरू होकर लॉस एंजिल्स, दोहा होते हुए नई दिल्ली में खत्म होंगी। दिल्ली में उनकी स्थायी प्रदर्शनी भी लगाने की योजना है।

परिस्थितियों से निकलने वाली कॉमेडी फिल्में बनाना चाहते हैं मुदस्सर अजीज

अपनी कॉमेडी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले निर्देशक मुदस्सर अजीज इन दिनों अपनी आगामी कॉमेडी फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' को लेकर चर्चाओं में हैं। यह 2019 में उनके ही निर्देशन में बनी 'पति पत्नी और वो' का सीक्वल है। फिल्म की कहानी इस बार अलग है। फिल्म की रिलीज से पहले मुदस्सर अजीज का कहना है कि वो परिस्थितियों से निकलने वाली कॉमेडी फिल्में बनाना चाहते हैं। मुदस्सर का कहना है कि उनके लिए कॉमेडी का मतलब है गंभीर मुद्दों पर कटाक्ष करना, न कि भद्दे मजाक का सहारा लेना।

मुदस्सर अजीज ने अपनी कॉमेडी फिल्मों के बारे में कहा कि मैं इस बात को लेकर बहुत सतर्क रहता हूं कि कॉमेडी किसी भद्दे मजाक से नहीं, बल्कि हालातों से पैदा होनी चाहिए। खेल खेल में जैसी फिल्म का उदाहरण

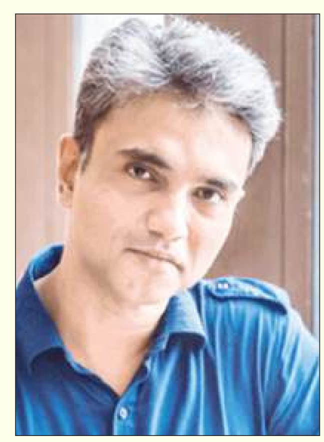

देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें बेवफाई का मजाक उड़ाया गया था, लेकिन स्थिति को हल्के में नहीं लिया गया।

भद्दे मजाक को लेकर उनका कहना है कि मुझे ऐसी शैली पसंद नहीं आती। मैं खुद को इतना बड़ा नहीं समझता कि यह कह सकूं कि ऐसी फिल्में बननी चाहिए या नहीं। जो बनाते हैं, बनाते हैं। लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे यह पसंद नहीं है।

सिनेमा से अपने जुड़ाव और अपनी सोच को लेकर मुदस्सर ने कहा कि मैं मुंबई में पला-बढ़ा हूं और बचपन में साथ मिलकर फिल्में देखना एक अहम हिस्सा रहा है। मैं लिबर्टी सिनेमा, नॉवेल्टी सिनेमा, मराठा मंदिर और मिनर्वा सिनेमा जाया करता था। मुझे याद है कि उन सभी फिल्मों में मेरी मां और बड़ी बहन मेरे साथ जाया करती थीं। आज मैं एक बेटी का पिता हूं इसलिए यह भी मेरे ऊपर एक जिम्मेदारी है। जो फिल्म मैं अपने परिवार को नहीं दिखा सकता, उसे मैं बाहरी लोगों को दिखाने की उम्मीद भी नहीं करता। यह मेरे स्वभाव के खिलाफ है। शायद इसीलिए मैं फिल्में नहीं बनाता।

कॉमेडी फिल्मों में मजबूत स्क्रिप्ट की बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि मैं ऐसी कॉमेडी फिल्में बनाना चाहता हूं, जिनमें स्क्रिप्ट का ही बोलबाला हो। इस जॉनर में अपनी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए उन्होंने डेविड धवन की 'साजन चले ससुराल' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक डेविड धवन की साजन चले ससुराल है। उस आदमी ने कितनी खूबसूरती से स्क्रिप्ट में खुद को फंसा लिया था। अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया होता, तो वे क्या करते? इसलिए आपको उस कॉमेडी को बनाने के लिए राइटिंग में कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। पति पत्नी और वो दो में एक मेल एक्टर आयुष्मान खुराना और तीन हीरोइनें हैं। जब मुदस्सर से पूछा गया कि क्या एक एक्ट्रेस और तीन एक्टर्स वाली फिल्म संभव है? तो उन्होंने कहा कि मैंने एक दशक पहले हैप्पी भाग जाएगी के साथ ऐसा किया था।

अजब-गजब | ये है भारत की सबसे ऊंचाई पर बना सिनेमा हॉल

इस सिनेमाहाल का बेहद अलग है अनुभव यहां बदल जाती है हीरो-हीरोइन की आवाज!

भारत में सिनेमा का जादू अब आसमां को छू रहा है। लद्दाख के लेह में स्थित PVR INOX मल्टीप्लेक्स भारत और दुनिया का सबसे ऊंचा स्थायी सिनेमा हॉल है। समुद्र तल से 11,500 फीट की ऊंचाई पर बना यह हॉल फिल्म प्रेमियों के लिए अनोखा अनुभव लेकर आया है। यहां फिल्म देखते समय हीरो-हीरोइन की आवाज सामान्य सिनेमाघरों से काफी अलग सुनाई देती है। हाल ही में यहां फिल्म देखने गए कई दर्शक सोशल मीडिया पर अपना अनुभव शेयर कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, सेम फिल्म है लेकिन आवाज बिल्कुल अलग लग रही है। जैसे थोड़ी फ्लैट और हल्की। लेकिन इसके पीछे का कारण क्या है? दरअसल, इसका जवाब छिपा है साइंस में।

इसका कारण है उच्च ऊंचाई पर हवा की पतली परत। समुद्र तल पर हवा घनी होती है, जो साउंड वेव्स को बेहतर तरीके से ले जाती है। लेकिन 11,500 फीट पर हवा की घनत्व करीब 30-35% कम हो जाती है। इससे साउंड वेव्स का प्रसार बदल जाता है। इसकी वजह से ध्वनि की तीव्रता प्रभावित होती है। आवाज थोड़ी कमजोर और फ्लैट सुनाई दे

सकती है। PVR INOX ने इस समस्या को ध्यान में रखते हुए स्पेशल ऑडियो सिस्टम लगाया है, फिर भी प्राकृतिक रूप से आवाज में फर्क महसूस होता है। वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च ऊंचाई पर तापमान कम होने और हवा के घनत्व कम होने से साउंड की स्पीड और क्वालिटी दोनों पर असर पड़ता है।

स्थान: लेह के साबू इलाके या सोलर न्यू टाउन में स्थित है। **स्क्रीन्स:** ये 2 स्क्रीन्स वाला मल्टीप्लेक्स है। **सुविधाएं:** हीटेड ऑडिटोरियम, आधुनिक साउंड और प्रोजेक्शन सिस्टम, आरामदायक सीटिंग की व्यवस्था है। **क्षमता:** सैकड़ों दर्शक एक साथ फिल्म का मजा ले सकते हैं। **विशेष:** ठंडे मौसम में भी गर्म और आरामदायक वातावरण है। यहां पहुंचने वाले पर्यटक और लोकल लोग दोनों ही फिल्म देखने आते हैं। खासकर पर्यटकों के लिए तो यह लाइफटाइम एक्सपीरियंस है- बर्फीली चोटियों के बीच पॉपकॉर्न खाते हुए बॉलीवुड या हॉलीवुड फिल्म देखना। लेकिन इसमें चुनौतियां भी हैं। हॉल में ऑक्सीजन की कमी महसूस होती है। कुछ दर्शकों को हल्की सांस लेने में तकलीफ या सिरदर्द हो सकता है। यहां बाहरी तापमान माइनस तक पहुंच सकता है। ऐसे में उपकरणों का रखरखाव बड़ी चुनौती है। PVR INOX ने इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया है।

दुनिया की इकलौती मछली, समुद्र की गहराई में चलती है, होंठों पर लगाती है लाली-लिपिस्टिक!

समुद्र की गहराइयों में छिपी अनगिनत रहस्यमयी जीवों में से एक है रेड-लिप्ड बैटफिश। यह मछली ना सिर्फ देखने में बेहद अजीब है बल्कि अपनी आदतों के कारण भी पूरी तरह यूनिक है। जहां बाकी मछलियां तैरती हैं, वहीं यह मछली समुद्र के फर्श पर 'चलती' है। सबसे मजेदार बात- इसके होंठ इतने चटक लाल हैं कि देखकर लगता है मानो उसने लिपस्टिक लगा रखी हो। रेड-लिप्ड बैटफिश का नाम बैटफिश इसलिए पड़ा क्योंकि इसका सिर चमगादड़ की तरह चौड़ा और सपाट होता है। यह मुख्य रूप से गालापागोस द्वीपों के आसपास और पूर्वी प्रशांत महासागर में पाई जाती है। यह 20 से 40 मीटर की गहराई में रहती है, हालांकि कभी-कभी 100 मीटर तक भी नीचे उतर जाती है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है चलना। इसके पेक्टोरल और पेल्विक फिन्स पैरों की तरह मजबूत है। इनकी मदद से वह समुद्र के तल पर चलती-फिरती है। तैरने की बजाय चलना इसे ऊर्जा बचाने में मदद करता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इसके चमकदार लाल होंठ संभवतः प्रजनन और संचार के लिए हैं। गहरे पानी में जहां रोशनी कम होती है, वहां चटक रंग साथी को आकर्षित करने में मदद करते हैं। ये लाल होंठ इसे बेहद आकर्षक और फोटोजेनिक भी बनाते हैं, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर यह वायरल हो रही है। रेड-लिप्ड बैटफिश के सिर पर एक छोटा सा अंग होता है जिसे इलिसियम कहते हैं। इसके सिरे पर चारा लगा होता है। यह मछली इस चारे को हिलाकर छोटी मछलियों, क्रस्टेशियंस और अन्य जीवों को लुभाती है। जब शिकार पास आता है तो बैटफिश अपना मुंह खोलकर उसे झपट लेती है। प्रकृति ने इसे वाकई फिशिंग रॉड दे रखी है। आकार- वयस्क बैटफिश की लंबाई 35-40 सेंटीमीटर तक होती है। रंग- शरीर भूरा-नारंगी या गुलाबी-लाल होता है, जो समुद्री तल के साथ छिपने में मदद करता है। स्वभाव- यह काफी शांत रहती है और ज्यादा तेजी से नहीं चलती। खतरा महसूस होने पर फिन्स की मदद से तेजी से भाग सकती है। हाल ही में डाइवर्स और अंडरसी वीडियोग्राफर्स की क्लिप्स वायरल होने के बाद यह मछली सुर्खियों में आई है। लिप्ड बैटफिश फिलहाल खतरे में नहीं है, लेकिन समुद्री प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ओवरफिशिंग समुद्री जीवों के लिए बड़ी समस्या हैं। गालापागोस द्वीपों को यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित किया गया है, जो इन अनोखी प्रजातियों की सुरक्षा में मदद करता है। बैटफिश परिवार की कई प्रजातियां हैं, लेकिन रेड-लिप्ड बैटफिश सबसे ज्यादा आकर्षक मानी जाती है।

मोदी की अपील पर सियासी बवाल जारी

विपक्ष ने भाजपा नेताओं पर उठाए सवाल

» मितव्ययिता सिर्फ नागरिकों के लिए है और राजनीतिक वर्ग के लिए नहीं : राज ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई अपील पर तीखी टिप्पणी की है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर ठाकरे ने पूछा कि आखिर पीएम समेत कई नेता खर्चीले सफर क्यों कर रहे हैं? ठाकरे ने अपने बयान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की स्विटजरलैंड यात्रा पर भी निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से मितव्ययिता अपनाने की अपील की। ठाकरे ने लिखा- ठीक है, लेकिन प्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेता आज भी पूरे देश में विशाल काफिलों, रोड शो, हेलीकॉप्टरों, फूलों की बारिश और बेहद खर्चीले राजनीतिक अभियानों के साथ यात्रा कर रहे हैं, क्या प्रधानमंत्री यह स्वीकार करेंगे कि ऐसी राजनीतिक फिजूलखर्ची हमारी गलती थी और अब हम सब, मैं खुद भी, इसे दोहराएंगे नहीं? आम आदमी ही हमेशा त्याग क्यों करे? क्या मितव्ययिता सिर्फ नागरिकों के लिए है और राजनीतिक वर्ग के लिए नहीं?

मनसे चीफ ने लिखा कि आज कच्चे तेल की कीमतें लगभग 90-100 डॉलर प्रति बैरल के बीच हैं, लेकिन यह पहली बार नहीं है

लाखों करोड़ रुपये कमाए, वह पैसा गया कहां

उन्होंने लिखा कि जब वैश्विक बाजार में कच्चा तेल घटकर 60-65 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था, तब भी भारतीय नागरिक पेट्रोल-डीज़ल के लिए बहुत ऊंची कीमत चुका रहे थे क्योंकि सरकार ने भारी टैक्स लगाए हुए थे ईंधन करों से सरकार ने लाखों करोड़ रुपये कमाए वह पैसा गया कहां? उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने कभी रेवड़ी संस्कृति का मज़ाक उड़ाया था, लेकिन महाराष्ट्र से लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल तक चुनाव अब इसी तरह की लोकलुभावन योजनाओं के जरिए लड़े और जीते जा रहे हैं।

जब दुनिया ने ऐसे दाम देखे हों। 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी, 2011-12 के अरब स्प्रिंग, 2013-14 के दौर (जब बीजेपी खुद यूपीए सरकार पर ईंधन कीमतों को लेकर तीखे हमले कर रही थी) और फिर 22-23 में ओपेक उत्पादन कटौती के समय भी तेल की कीमतें इसी स्तर तक पहुंची थीं। इन 3-4 अवधियों में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे और एक बार नरेंद्र मोदी स्वयं इस पद पर थे। डॉ. मनमोहन सिंह ने कभी नागरिकों से विदेश यात्रा रोकने की अपील नहीं की। नरेंद्र मोदी ने भी पहले ऐसा नहीं कहा। तो अब क्यों?

पीएम की अध्यक्षता में ऑल पार्टी मीटिंग हो

इतना बड़ा स्टेटमेंट आने के बाद देश में पैनिक: सुले

शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया सुले ने भी इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि 13 में पी चिदंबरम देश के वित्त मंत्री थे और उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टेटमेंट दिया था कि अगर हम एक साल सोना न खरीदें तो बहुत मदद हो सकती है, उन्होंने ये नहीं कहा था कि सोना मत खरीदो, प्रधानमंत्री तब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने कहा था कि यूपीए सरकार आपके मंगलसूत्र तक पहुंच गई है। उन्होंने आगे कहा, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्टेटमेंट आया तो मुझे आश्चर्य हुआ। क्योंकि मोदी जी हल्के में स्टेटमेंट नहीं देते, बहुत सोच समझकर बोलते हैं, वरिष्ठ नेता हैं और देश के प्रधानमंत्री है, देश में बहुत सारे कारीगर और दुकानदार हैं। करोड़ों लोग सोने के व्यवसाय में हैं, उनकी रोटी उसी से चलती है, इतना बड़ा स्टेटमेंट आने के बाद देश में पैनिक हो गया। एनसीपी सांसद ने कहा, बहुत डर का माहौल भारत में हो रहा है एकदम से प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल का इस्तेमाल कम करिए। अगर प्रधानमंत्री कुछ कहें तो हम सब को उसको बारे में सोच विचार करना चाहिए। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव और मेरे खुद के अगर पार्लियामेंट के भाषण देखिए तो इकोनॉमिक क्राइसिस के बारे में हम सब कहते आ रहे हैं। सुप्रिया सुले ने ये भी कहा कि एक ऑल पार्टी मीटिंग प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होनी चाहिए क्योंकि ये बयान उनका ही है, एक कॉन्फिडेंस हम सब को देना पड़ेगा। हम, कल भी आज भी और कल भी, अगर देश दिक्कत में होगा तो हम देश के साथ खड़े रहेंगे। हम इसमें राजनीति नहीं करना चाहते। लेकिन राजनीति से उठकर आज जो सत्ता में हैं, उनको सच देश को बताना पड़ेगा।

सरकार को पाकिस्तान से बातचीत के लिए दरवाजे खुले रखने चाहिए : होसबोले

» संघ के महासचिव ने दिया सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबले, जो मोहन भगवत के बाद दूसरे सबसे बड़े महासचिव हैं, ने कहा कि भारत को पाकिस्तान और सीमा पार आतंकवाद को उसके समर्थन के खिलाफ दृढ़ प्रतिक्रिया जारी रखनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को बातचीत के लिए दरवाजे खुले रखने चाहिए। अपने तर्क के समर्थन में, होसबले ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में उठाए गए कदमों का हवाला दिया, जिन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कूटनीति का भी सहारा लिया था। उन्होंने बताया कि तनावपूर्ण स्थितियों के बावजूद पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने के प्रयासों के तहत वाजपेयी बस से लाहौर गए थे।

उन्होंने एक पॉडकास्ट में कहा कि अब तक हर संभव प्रयास किया जा चुका है, लेकिन ऐसे और प्रयास जारी रहने चाहिए। अटल जी ने उनसे बातचीत करने की कोशिश की। वे बस से लाहौर गए और कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटीं। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री ने भी शपथ ग्रहण के समय पाकिस्तान को आमंत्रित किया था। होसबले ने पाकिस्तान को एक छोटी सी मूंछ बताते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान पुलवामा जैसी घटनाएं पैदा करने की कोशिश करके एक छोटी सी मूंछ की तरह व्यवहार कर रहा है, तो हमें स्थिति के अनुसार उचित जवाब देना होगा, क्योंकि किसी देश और राष्ट्र की सुरक्षा और आत्मसम्मान की रक्षा करना आवश्यक है, और मौजूदा सरकार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए और इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत को संवाद के द्वार पूरी तरह बंद नहीं करने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमेशा संवाद के लिए तत्पर रहना चाहिए। इसीलिए राजनयिक संबंध कायम हैं, व्यापार और वाणिज्य जारी है, और वीज़ा दिए जा रहे हैं। इसलिए हमें इन्हें रोकना नहीं चाहिए, क्योंकि संवाद के लिए हमेशा एक रास्ता खुला रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच खेल संबंध भी जारी रहने चाहिए।

जीटी का प्लेऑफ में पहुंचना लगभग तय

» ऑरेंज कैप पर हेनरिक क्लासेन और पर्पल कैप पर भुवनेश्वर कुमार का दबदबा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईपीएल में अहमदाबाद में जीटी और एसआरएच के बीच खेला गया। यह मुकाबला अंकतालिका में पहला स्थान हासिल करने के लिए था और जीटी ने इसमें बाजी मार ली। जीटी एसआरएच को 82 रन से हराकर अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई। जीटी की यह लगातार पांचवीं जीत है। गुजरात टाइटंस 12 मैचों में 16 अंक लेकर पहले, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 11 मैचों से 14 अंक लेकर दूसरे, सनराइजर्स हैदराबाद 12 मैचों से 14 अंक लेकर तीसरे, पंजाब किंग्स 11 मैचों से 13 अंक लेकर चौथे और चेन्नई सुपर किंग्स 11 मैचों से 12 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है।

सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन 12 मैचों में 508 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर हैं और ऑरेंज कैप उन्हीं के पास है। भुवनेश्वर कुमार के पास पर्पल कैप है। भुवनेश्वर ने 11 मैचों में 21 विकेट लिए हैं।

गुजरात ने जीत के साथ आईपीएल 2026 प्लेऑफ में एक पैर रख दिया है। 16 अंक आमतौर पर प्लेऑफ में पहुंचने का सुरक्षित आंकड़ा माना जाता है। मुकाबले के बाद आधिकारिक ब्रॉडकास्टर्स के अनुसार गुजरात के क्वालिफाई करने की संभावना बढ़कर 94.9 प्रतिशत हो गई है। मैच से पहले सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 80 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 65.7 प्रतिशत रह गई है। वहीं आरसीबी को भी हल्का झटका लगा है। टीम की क्वालिफिकेशन संभावना 80.1 प्रतिशत से घटकर 79.7 प्रतिशत हो गई है। चौथे स्थान पर मौजूद पंजाब किंग्स की संभावना 62.5 प्रतिशत से बढ़कर 62.7 प्रतिशत हो गई है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स की उम्मीदें भी अभी बरकरार हैं। टीम की प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना 42.7 प्रतिशत से बढ़कर 42.8 प्रतिशत हो गई है।

आईपीएल में रनों के लिहाज से जीटी की सबसे बड़ी जीत

अहमदाबाद। कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रनों के बड़े अंतर से हराया। गुजरात की आईपीएल में रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने इसी सीजन में राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराया था। इस जीत के साथ ही गुजरात की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है और उसने प्लेऑफ के लिए अपना दावा बेहद मजबूत कर लिया है। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 14.5 ओवर में 86 रन पर ही ऑलआउट हो गई। हैदराबाद का आईपीएल में यह न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, 2019 में टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ 96 रन पर ढेर हुई थी।

राजधानी में गंदे पानी को लेकर फूटा लोगों का गुस्सा

» जलकल कार्यालय पर धरना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के जानकीपुरम विस्तार क्षेत्र जोन 3 में गंदे पानी की समस्या को लेकर स्थानीय निवासियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया। नाराज लोगों ने जलकल विभाग और महाप्रबंधक के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जानकीपुरम स्थित जलकल कार्यालय पर धरना शुरू कर दिया धरने में जनकल्याण महासमिति के महासचिव विनय कृष्ण पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से दूषित पेयजल की आपूर्ति हो रही है, जिससे लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि कुछ महीने पहले भी इसी इलाके में दूषित पानी के कारण डायरिया फैल गया था, जिसमें कई लोग बीमार पड़े थे और मौतों की घटनाएं भी सामने आई थीं। इसके बावजूद जलकल विभाग ने स्थायी समाधान नहीं किया धरने पर बैठे लोगों ने शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने, पाइपलाइन की जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

स्मृति उपवन में विकास कार्यों पर उठे सवाल

» मानकों की अनदेखी का लगा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण की कानपुर रोड योजना के अंतर्गत आने वाले स्मृति उपवन में चल रहे करोड़ों रुपये के विकास कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं की शिकायत आई है। मॉर्निंग वाकर्स एवं शिकायतकर्ता ने निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री इस्तेमाल किए जाने और सरकारी मानकों की अनदेखी किए जाने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार स्मृति उपवन में पीले ईंटों से निर्माण कराया जा रहा है, जबकि निर्माण कार्यों में मानक के अनुरूप सामग्री का उपयोग नहीं हो रहा।

पीसीसी और आरसीसी निर्माण कार्य भी तय गुणवत्ता के विपरीत बताए जा रहे हैं। आरोप है कि वाटर लाइन में लगाए जा रहे पाइप भी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैं।

स्थानीय लोगों ने की जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जनता के टैक्स के पैसे से हो रहे विकास कार्यों में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

धड़ल्ले से लाल गिट्टी की जगह पीले ईंटों की गिट्टी का प्रयोग

इसके अलावा पार्क परिसर में बन रहे बाथरूम और शौचालय निर्माण में लाल गिट्टी की जगह पीले ईंटों की गिट्टी का प्रयोग किया जा रहा है, जिसे तकनीकी रूप से गलत और कमजोर निर्माण माना जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि कई जगह प्लास्टर टूट चुका है, जबकि मौरंग भी घटिया गुणवत्ता की इस्तेमाल की जा रही है।बताया जा रहा है कि यह पूरा कार्य लखनऊ विकास प्राधिकरण के उद्यान विभाग द्वारा कराया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर निगरानी क्यों नहीं की जा रही।

सपा प्रमुख के भाई प्रतीक यादव की रहस्मयी मौत!

- » सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र के निधन से सभी सन्न
- » लखनऊ से सैफई तक पसरा सन्नाटा
- » प्रतीक यादव के शरीर पर चोट के निशान पाए गए
- » सपा विधायक ने की जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के पूर्व सीएम व सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव का बुधवार को रहस्मय तरीके से निधन हो गया। उधर उनके निधन से सियासी गलियारे से लेकर समाज के हर तबके सन्नाटा पसर गया जो थी सुना वह सन्न रह गया। सपा के कुछ नेताओं उनकी मौत पर सवाल उठाया है और जांच की मांग की है।

उधर सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपने भाई के निधन की सूचना के बाद तुरंत अस्पताल पहुंचे। प्रतीक यादव (38) वर्ष के थे। उन्हें सुबह छह बजे सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था। डॉक्टर ने जांच पड़ताल करके उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुबह अखिलेश यादव के आवास के बाहर सन्नाटा पसरा हुआ था।

स्टालिन ने अखिलेश यादव को दी सांत्वना

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन पर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शोक व्यक्त किया है और सांत्वना व्यक्त की है। स्टालिन ने उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि वह अखिलेश यादव और उनके परिवार के साथ इस मुश्किल समय में हमेशा खड़े हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को प्रिय भाई बताया। स्टालिन ने कहा, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव के निधन से मैं बहुत दुखी हूं।

जुझारू किस्म का इंसान था प्रतीक : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी सुबह ही केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रतीक अपनी मेहनत से बहुत कुछ हासिल करना चाहता था। वो अब हमारे बीच नहीं है। ये दुखद है। वहां उन्होंने प्रेस से बात करते हुए कहा कि प्रतीक से मेरी दो महीने पहले मुलाकात हुई थी। प्रतीक जुझारू किस्म का इंसान था। वह अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग था। जीवन में वह आगे बढ़ना चाहता था। उसके इस तरह से चले जाने का दुख है। वह अपनी मेहनत से कुछ करना चाहता था। मौत की वजहों पर उन्होंने कहा कि इस पर जांच होनी चाहिए। परिवार इस मामले में जो फैसला लेगा उसका सम्मान होना चाहिए। अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि कभी-कभी कारोबार और आर्थिक नुकसान लोगों को भीतर से तोड़ देते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मामले की निष्पक्ष जांच हों : रविदास मल्होत्रा

लखनऊ मध्य से विधायक रविदास मल्होत्रा ने कहा कि मैंने डॉक्टरों से बात की और पूछा कि पोस्टमार्टम क्यों किया जा रहा है तो उन्होंने कहा कि जब मौत संदिग्ध होती है तो ऐसा किया जाता है। उन्होंने कहा कि मामले में बताया जा रहा है कि प्रतीक का शव नीला पड़ गया था। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। किसी स्वतंत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में कमेटी बनाकर मामले की जांच की जानी चाहिए। ये दुखद है। मल्होत्रा ने कहा कि प्रतीक जिम करते थे काफी फिट थे और इस तरह से उनकी मौत हैरान करने वाली है। तरह-तरह की बातें सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे प्रतीक यादव के निधन को लेकर तरह-तरह की बातें की जा रही हैं लेकिन कोई भी खुलकर बोलने से बच रहा है। प्रतीक के साथ ही जिम करने वाले एक युवक अंकित ने पहले कहा कि प्रतीक यादव की बॉडी नीली पड़ गई थी फिर वो अपने बयान से मुकर गया और कहा कि मैंने कुछ भी नहीं कहा है।

सियासी जगत ने व्यक्त की शोक संवेदना

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति प्रतीक यादव के निधन पर, सीएम योगी, राज्य के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा, यह बहुत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना करतो हैं कि वे उनके परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दें...। यह एक बहुत बड़ी क्षति है। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा, प्रतीक यादव जी की मृत्यु बहुत दुखद है। बहुत गंभीर है। हमारी पार्टी की नेता के परिवार से किसी व्यक्ति का असामयिक जाना कष्ट का विषय है। मैं प्रतीक जी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, हमारी पूरी संवेदना है और भगवान से प्रार्थना है कि उनके परिवार को ये दुख सहने की शक्ति प्रदान करें। घटना बहुत दुखदायी है।

प्रतीक यादव की मौत के बाद सैफई में पसरा सन्नाटा

मुलायम सिंह यादव के बेटे और अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक यादव की मौत के बाद इटावा के सैफई में भी शोक की लहर दौड़ गई है। बुधवार सुबह सैफई स्थित पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आवास पर कोई भी सदस्य नहीं था। आवास के पास स्थित पशुशाला में अखिलेश यादव के चाचा अभयराम यादव गमगीन बैठे थे। सैफई से जुड़े लोग घटना सुनने के बाद सपा परिवार के सदस्यों को फोन करके जानकारी जुटाना चाह रहे थे। हर किसी में मन घटना की वजह जानने की इच्छा थी। जानकारी होने पर सैफई के प्रधान व मुलायम सिंह यादव के पुराने साथी रामफल वाल्मीकि भी आवास पर पहुंचे। हालांकि उन्हें यहां कोई नहीं मिला।

एन रंगासामी ने पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में ली शपथ

- » भाजपा नेता ए. नमस्सिवयम ने भी पुडुचेरी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुडुचेरी। ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) के नेता एन रंगासामी ने बुधवार को पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पुडुचेरी के उपराज्यपाल के कैलाशनाथन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की उपस्थिति में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इस समारोह के दौरान भाजपा नेता ए. नमस्सिवयम ने भी पुडुचेरी सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इसके बाद मुख्यमंत्री रंगासामी ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और नवगठित राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जन कल्याण के लिए सभी आवश्यक योजनाओं को और भी प्रभावी ढंग से लागू करना हमारी सरकार का कर्तव्य है। हम निश्चित रूप से इस जिम्मेदारी को उत्कृष्टता के साथ निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा, हम अपने पुडुचेरी को शायद सिंगापुर की तरह विकसित करने जा रहे हैं।

शपथ ग्रहण करने के बाद भाजपा नेता ए नमस्सिवयम ने एएनआई को बताया कि हम जनता की सेवा में हैं। सभी योजनाएं जारी रहेंगी और हम नई योजनाएं भी शुरू कर रहे हैं। हम पुडुचेरी का बेहतरीन विकास करेंगे। आने वाले दिनों में अगर और मंत्री शपथ लेंगे तो इस बारे में हम अपने नेताओं से चर्चा करेंगे।

युवती ने बनाया वीडियो फिर फांसी लगाकर दी जान

- » मरने से पहले कई लोगों को ठहराया जिम्मेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में मंगलवार को एक युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने से हड़कंप मच गया। युवती ने आत्महत्या से पहले वीडियो बनाकर कई लोगों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मूल रूप से गोरखपुर निवासी रतना प्रिया सिंह (लगभग 31 वर्ष) लखनऊ के शालीमार वन वर्ल्ड अपार्टमेंट के सी ब्लॉक स्थित आठवें तल पर रहती थी और विरासत कंपनी में काम करती थी आरोप है कि शरद सिंह, उसकी पत्नी पल्लवी जोशी, मंगल यादव, वैशाली, प्रशांत शर्मा समेत अन्य लोग काफी समय से युवती को मानसिक एवं

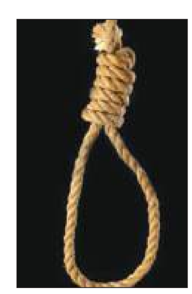

शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। मृतका के पिता सुधीर कुमार सिंह निवासी मैत्रीपुरम कॉलोनी, गोरखपुर ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनकी पुत्री ने प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की है। पिता के अनुसार, बेटी पहले भी उत्पीड़न की बात बता चुकी थी लेकिन परिवार ने उसे गंभीरता से नहीं लिया।बताया जा रहा है कि आत्महत्या से पहले रतना ने अपनी एक परिचित महिला मित्र को फोन कर आत्महत्या करने की बात कही थी। सूचना मिलने पर पुलिस करीब तीन बजे फ्लैट पहुंची। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां युवती पंखे के सहारे फंदे से लटकी मिली। युवती ने मौत से पहले एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने शरद सिंह, पल्लवी जोशी, वैशाली, मंगल यादव, प्रशांत शर्मा और शरद के परिवार को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है।

वीडियो में युवती ने खुद को प्रताड़ित किए जाने और मानसिक रूप से परेशान करने के आरोप लगाए हैं।शालीमार वन वर्ल्ड में हुई इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए परिजनों को सूचना दे दी थी। इंस्पेक्टर सुधीर अवस्थी के मुताबिक, परिजनों की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही ।

विजय थलापति ने तमिलनाडु विस में साबित किया विश्वासमत

- » प्रमुख विपक्षी दलों ने सदन से किया वॉकआउट
- » समर्थन में पड़े 144 वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा के फ्लोर टेस्ट वाली अग्निपरीक्षा विजय थलापति ने पास कर ली है, विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट में 144 विधायकों का समर्थन मिला, जबकि प्रमुख विपक्षी दलों ने फ्लोर टेस्ट की वोटिंग से पहले सदन से वॉकआउट कर दिया। इसके साथ ही टीवीके के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार ने विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया।

234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके गठबंधन सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा, लेकिन उसके पास अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा नहीं था। कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, इंडियन यूनियन

मुस्लिम लीग और कुछ निर्दलीय एवं छोटे दलों के समर्थन से विजय ने सरकार बनाई थी। फ्लोर टेस्ट के दौरान गठबंधन को कुल 144 विधायकों का समर्थन मिला है। विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री विजय ने विश्वास प्रस्ताव पेश किया. चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष के सहयोगी दलों ने सरकार के समर्थन में अपनी बात रखी, जबकि विपक्ष ने सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। हालांकि मतदान की प्रक्रिया शुरू होने से पहले प्रमुख विपक्षी दलों ने सदन से वॉकआउट कर दिया। विजय ने दो विधानसभा सीटों से जीत हासिल की है। उन्हें एक सीट खाली करनी होगी, जिससे टीवीके की सीटों की संख्या घटकर 107 रह गई है, वीके के सहयोगी दलों में कांग्रेस के 5 विधायक, सीपीआई, सीपीआई(एम), वीसीके और आईयूएमएल के 2-2 विधायक शामिल हैं. इन सबको जोड़कर विधानसभा में गठबंधन की कुल संख्या 120 पहुंच गई है,हालांकि विजय की पार्टी को फ्लोर टेस्ट में 144 विधायकों ने अपना समर्थन दिया है।

सोनिया गांधी अस्पताल से लौटीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को बताया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में नियमित चिकित्सा जांच करवाई और अब वे घर लौट चुकी हैं। गांधी को दिन में पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

जयराम रमेश ने दी जानकारी

मंगलवार को रमेश ने कथित पेपर लीक के कारण नीट परीक्षा रद्द किए जाने के बाद केंद्र सरकार की कड़ी निंदा की। उन्होंने राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने बुनियादी पुनर्गठन की मांग की और जोर देकर कहा कि भारत की प्रतियोगी परीक्षा प्रणाली की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एजेंसी को मोदी सरकार के भ्रष्ट गुर्गों से दूर रखा जाना चाहिए। एक पोस्ट में, रमेश ने एनटीए की क्षमताओं में खामियों को पहले स्वीकार किए जाने के बावजूद सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया।

उन्होंने लिखा कि 16 जून 24 को शिक्षा मंत्री ने स्वीकार किया था कि एनटीए को काफी सुधार की आवश्यकता है। दो साल बाद, यह सोचना पड़ता है कि इस स्वीकारोक्ति पर क्या कार्रवाई हुई है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा